

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No. ....

3401

B

LL.B.

**I Term**

Paper LB-101 : ELEMENTS OF INDIAN  
LEGAL SYSTEM

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note : Answers may be written *either* in English *or* in Hindi;  
but the same medium should be used throughout the  
paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा  
में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना  
चाहिए।

Answer any *Five* questions.

*All* questions carry equal marks.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Critically examine Professor Austin's concept(s) of what is law.

Who are the real sovereigns in a truly democratic nation society ? 20

विधि क्या होती है, इस बारे में प्रोफेसर ऑस्टिन की संकल्पना (संकल्पनाओं) की समीक्षात्मक जाँच कीजिए।

एक वास्तविक लोकतंत्रीय राष्ट्र के समाज में यथार्थ सम्प्रभु कौन हैं?

[P. T. O.]

2. Discuss the constituent elements of customary law (that convert a usage/custom into customary law).

Would a judge manning a formal court of law apply all customary law ?

Can a policy maker in the Government of India choose to ignore customary law ? 20

रूढ़िजन्य विधि के घटक तत्वों का विवेचन कीजिए (जो किसी प्रथा/रूढ़ि को रूढ़िजन्य विधि में परिवर्तित कर देते हैं)।

क्या विधि के औपचारिक न्यायालय को संभालने वाला एक न्यायाधीश सभी रूढ़िजन्य विधियों को लागू कर पाएगा ?

क्या भारत सरकार में कोई विधि निर्माता रूढ़िजन्य विधि की अनदेखी कर सकता है ?

3. Formulate a detailed content of Rule of Law which, if realized, will give every Indian the wherewithal to be in control and the master of his own destiny as well as that of his fellow-beings and the nation. 20

विधिसम्मत शासन के ऐसे व्यापक अंश को सूचीबद्ध कीजिए जिसे यदि चरितार्थ कर दिया जाए, तो वह प्रत्येक भारतीय का नियन्त्रक बनने में और उसकी स्वयं की तथा उसके सहचरों और राष्ट्र की नियति का स्वामी बनने में साधक हो जाएगा।

4. Discuss the advantages and disadvantages of *Nyaya Panchayats* and *Lok Adalats* as means of dispensation of justice. What measures would you suggest to make them more efficacious ? 20

न्याय-योजन के साधनों के रूप में न्याय पंचायतों और लोक-अदालतों के लाभों तथा हानियों का विवेचन कीजिए। उन्हें और अधिक प्रभावकारी बनाने के लिए आप क्या उपाय सुझाएँगे?

5. Critically examine the defects, as revealed by cases, in the working of the Supreme Court established at Calcutta by the 1774 Charter. How were these defects sought to be removed ? 20

1774 के चार्टर द्वारा कलकत्ता में स्थापित उच्चतम न्यायालय के कार्यचालन में रही कमियों की, जो केसों द्वारा उजागर हुईं, समीक्षात्मक जाँच कीजिए। इन कमियों को दूर करने के किस प्रकार प्रयास किए गए?

6. Discuss the scope of the writ jurisdiction of the High Courts established under the Indian High Courts Act, 1861. 20  
इण्डियन हाई कोर्ट्स एक्ट, 1861 के तहत स्थापित उच्च न्यायालयों की रिट अधिकारिता के परिक्षेत्र का विवेचन कीजिए।

7. The Advocates Act, 1961 is an important step for safeguarding the interests of advocates. Trace historically the causes and conditions which necessitated the enactment of this law. 20

अधिवक्ताओं के हितों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए अधिवक्ता अधिनियम, 1961 एक महत्वपूर्ण कदम है। उन कारणों तथा स्थितियों की ऐतिहासिकता का चित्रण कीजिए, जिन्होंने इस विधि को आवश्यक बना दिया।

8. Write short notes on any *two* of the following :

- (a) System of *stare decisis* in India,
- (b) Mayors Courts,
- (c) Warren Hastings Adalat System,
- (d) Adalat System under Lord Cornwallis. 20

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

- (a) भारत में निर्णयानुसरण की पद्धति,
- (b) मेयर्स कोर्ट्स,
- (c) वारेन हेस्टिंग्स की अदालत पद्धति,
- (d) लॉर्ड कॉर्नवालिस के अन्तर्गत अदालत पद्धति।